सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, गुरुवार, 01 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 125, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड आर्डनेंस फैक्ट्री मे बॉयोमेट्रिस अटेंडेंस शुरू... » Pg02

» Pg12

चुनौतियां मुझे पसंद हैं, नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथः योगी

आधे-आधे चेहरे मिलाकर फंसी सपा की लोहिया वाहिनी

बाबा साहब -अखिलेश कोलाज मामले में एफआईआर के निर्देश

एससी-एसटी आयोग के अध्यक्ष ने लिया स्वतः संज्ञान, लखनऊ पुलिस को लिखा मुकदमा दर्ज करने को पत्र

पोस्टर विवाद

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग ने लखनऊ पुलिस को राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के सहयोगी संगठन लोहिया वाहिनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए पत्र लिखा है। यह मामला पार्टी कार्यालय के बाहर लगाए गए एक विवादास्पद पोस्टर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के आधे-आधे चेहरे को मिलाकर एक चेहरा बनाए जाने को लेकर है। इस पोस्टर को लेकर खासा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस पोस्टर को आंबेडकर का अपमान करार देते हुए उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किया।

हालांकि सपा ने खुद को इस पोस्टर विवाद से अलग कर लिया है। राज्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने एक

न्यूज एजेंसी से कहा कि उन्होंने विवादास्पद पोस्टर का स्वतः संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, सपा की लोहिया शाखा ने अपने पोस्टर में बाबा साहब आंबेडकर का आधा चेहरा अखिलेश यादव जी के चेहरे से मिलाकर उनका अपमान किया है। मैं इसकी निंदा करता हूं।

हमने बुधवार को लखनऊ पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर इस संबंध में एससी/एसटी अधिनियम के तहत दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने तथा पांच मई को आयोग को घटनाक्रम से अवगत कराने को कहा है। रावत ने वोट बैंक के लिए आंबेडकर के नाम का इस्तेमाल करने के लिए सपा की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, बाबा साहब की तुलना किसी व्यक्ति से करना किसी के लिए भी अकल्पनीय है। रावत ने बताया कि किस तरह भाजपा और उसकी सरकार ने 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के बाद से आंबेडकर की सभी मूर्तियों और स्मारकों की साफ-सफाई करने का अभियान चलाया है। समाजवादी पार्टी ने राज्य मुख्यालय के बाहर बुधवार को एक पोस्टर लगाया गया था जिसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आंबेडकर के आधे-आधे चेहरे को मिलाकर एक चेहरा बनाकर प्रदर्शित किया गया था। इस पर विवाद पैदा होने के बाद सपा ने बृहस्पतिवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को दल के किसी भी नेता को किसी भी महापुरुष से नहीं जोड़ने की ताकीद की है।

करणी सेना पर कार्रवाई की मांग, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जमकर प्रदर्शन किया, कार्यकर्ताओं ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से सपा के सांसद रामजीलाल सुमन पर हुए हमले के विरोध में किया। बताया जा रहा है कि आक्रोशित कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए मौके पर पहुंची पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सीएम योगी के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी भी की।

किसी भी नेता की तुलना महापुरुषों से न करें

अपने अध्यक्ष अखिलेश यादव और संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की तस्वीर वाले पोस्टर को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशाने पर आने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) ने बृहस्पतिवार को एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, हम अपने सभी समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रेम, स्नेह, समर्पण के लिए उनकी भावनाओं का हृदय से आभार प्रकट करते हैं, साथ ही यह अपील भी करते हैं कि भावना में बहकर कभी भी किसी पार्टी नेता की तुलना किसी भी महापुरुष से किसी भी संदर्भ में नहीं करें और न ही इस तुलना को दर्शानेवाली कोई भी तस्वीर, प्रतिमा, गीत बनाएं या बयान दें।

यह समाजवादी पार्टी का आधिकारिक पोस्टर नहीं

पोस्टर के बारे में सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने एक न्यूज एजेंसी से कहा, यह समाजवादी पार्टी का आधिकारिक पोस्टर नहीं है... हमें नहीं पता कि इसे किसने लगाया है। कोई भी, कहीं भी पोस्टर लगा सकता है। हो सकता है कि यह भाजपा के लोगों का काम हो।

टिप्पणी विवाद

शरबत जिहाद पर दिल्ली हाईकोर्ट की फटकार

बाबा रामदेव किसी के वश में नहीं, अपनी ही दुनिया में मस्त

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

हमदर्द रूह अफजा पर योग गुरु बाबा रामदेव द्वारा की गई टिप्पणी पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में बाबा रामदेव को जमकर फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि बाबा रामदेव किसी के वश में नहीं है। वो अपनी ही दुनिया में रहते हैं। इससे पहले अदालत ने हमदर्द के रूह अफजा के खिलाफ उनकी विवादास्पद शरबत जिहाद टिप्पणी को लेकर उन्हें प्रथम दृष्टया न्यायालय की अवमानना का दोषी पाया था।

अदालत ने इससे पहले उन्हें भविष्य में हमदर्द के उत्पादों पर कोई बयान जारी नहीं करने या वीडियो साझा नहीं करने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति अमित बंसल को गुरुवार को यह जानकारी दी गई कि अदालत के 22 अप्रैल के निर्देशों के बावजूद रामदेव ने आपत्तिजनक बयान देते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इसके बाद न्यायमूर्ति बंसल ने कहा कि पिछले आदेश के मद्देनजर उनका हलफनामा और यह वीडियो पहली नजर में अवमानना के दायरे में आते हैं। अदालत ने कहा कि अब अवमानना नोटिस जारी किया जाएगा। अदालत ने यह बयान हमदर्द के वकील द्वारा प्रस्तुत किए जाने के बाद दिया कि रामदेव ने अदालत के आदेश के अनुसार एक और वीडियो जारी कर कहा कि हमदर्द द्वारा अर्जित लाभ को मदरसे, मस्जिद बनाने में लगाया जा रहा है। उनकी आस्था मुगलों के औरंगजेब में है, जबकि पतंजलि की आस्था भगवान राम में है। उनके हलफनामे में अदालत द्वारा दिए गए वचन के बारे में कुछ नहीं कहा गया है।

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा था कि हमदर्द के रूह अफजा पर बाबा रामदेव की शरबत जिहाद संबंधी कथित टिप्पणी ने अंतरात्मा को झकझोर दिया है। अदालत ने इसे अक्षम्य करार दिया था। इस पर योग गुरु ने आश्वासन दिया था कि वह इससे जुड़े ऑनलाइन कंटेंट को तुरंत हटा देंगे।

न्यायमूर्ति अमित बंसल रामदेव की पतंजलि फूड्स लिमिटेड के खिलाफ हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने कहा कि इससे अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है। यह बचाव योग्य नहीं है। अदालत ने रामदेव के वकील से कहा था कि रामदेव से निर्देश लें अन्यथा कड़ा आदेश दिया जाएगा।

आर्डनेंस फैक्ट्री में बॉयोमेट्रिक्स अटेडेंस शुरू

सैन्य प्रतिष्ठानों में सुरक्षा को लेकर स्वराज इंडिया ने सवाल उठाया तो शुरू हुई सख्ती

» पहले इलेक्ट्रानिक कार्ड पंचिग से लग रही थी कर्मियों की अटेडेंस

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। विजयनगर कालपीरोड स्थित आर्डनेंस फैक्ट्री में इलेक्ट्रानिक कार्ड पंचिग से अधिकारियों एवं कर्मियों की हाजिरी लग रही थी। इस हाजिरी सिस्टम में सेंधमारी होने से प्रबंधन ने तत्काल प्रभाव से बॉयोमेट्रिक्स अटेडेंस सिस्टम लागू कर दिया है। वहीं, फर्जी हाजिरी लगाकर सुरक्षा के साथ खिलवाड करने वाले दोनों कर्मियों की जांच चल रही है। वहीं, ओएफसी की शिकायत उच्चस्तर तक पहुंचने से अधिकारियों में भी हडकंप मचा हुआ है।

ओएफसी के सीटीआर अनुभाग में टेक्नीशियन पद पर तैनात अतनू चक्रवती (टिकट नंबर 179 पर्सनल नंबर 9762) कोलकाता में था लेकिन ओएफसी में 8 अप्रैल 2025 से लेकर 11 अप्रैल 2025 तक इलेक्ट्रानिक कार्ड हाजिरी सिस्टम के माध्यम से दूसरे साथी अरविंद सिंह (पर्सनल नंबर 10381 टिकट नंबर 71) की मिलीभगत से अनुपस्थित कर्मी के पंचिंग कार्ड से दनादन पंचिग एवं हस्ताक्षर बनाए जा रहे थे। 12 अप्रैल को भी गेट पर 7.45 पर उसकी इंट्री दिखाई गई, मॉनीटरिंग के दौरान नाइट डयूटी अफसर(एनडीओ) ने मामला पकडा तो खुलासा हुआ लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने 10 दिन तक मामले को दबाए रखा।

स्वराज इंडिया संवाददाता को मिले इनपुट के बाद खबर प्रकाशित हुई तो ओएफसी के अधिकारी हरकत में आए। जांच के निर्देश दिए गए हैं और दोनों कर्मियों को नोटिस देकर स्पष्टीकरण की बात कही गई है। वहीं, बायोमेट्रिक्स के आधार पर अटेडेंस लागू कर दिया गया है। अब हर कर्मचारी को उसी आधार पर प्रवेश मिलेगा।

ओएफसी के कई अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

इनपुट है कि ओएफसी में तैनात कई अधिकारी फैक्ट्री में बडा खेल करने में जुटे हुए हैं। वह कुछ खास कर्मियों की मिलीभगत से सामान की खरीद फरोख्त में धांधली करा रहे हैं। बताया जा रहा है जो सामान टेंडर के समय सेंपल में दिखाया जाता है, वह सेटिंग करके निम्न दर्जे की आपूर्ति करा दी जाती है चूंकि सब मिले हुए हैं। ऐसे में शिकायतें बाहर नहीं आ पाती हैं। 'स्वराज इंडिया' जल्द ही तथ्यों के साथ पूरे खेल का खुलासा करेगा।

अंबेडकर प्रतिमा पर युवक ने किया पथराव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव मे अंबेडकर प्रतिमा पर पथराव करने पर घटना के विरोध में संविधान निर्माता के समर्थकों ने रोड जाम कर आरोपियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे एसीपी रंजीत कुमार सिंह व इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडे ने मौके पर पहुंच कर आरोपी की तलाश की तो वह गांव से भाग निकला। आरोपी के पिता कल्लू सिंह यादव को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

आरोपी फरार, पिता हिरासत में, अक्रोशित लोगों का हंगामा, आश्वासन के बाद हुए शांत

वहीं पुलिस ने लोगों को आश्वासन देकर तितर-बितर करने का प्रयास किया लेकिन लोग सड़क पर डटे रहे और यातायात एक घंटे तक बाधित रहा। सूचना पर पहुंची क्षेत्रीय विधायक सरोज कुरील ने लोगों को समझाया। तब जाकर यातायात बहाल कराया गया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के चौकी पतारा के जहांगीराबाद गांव में बुधवार को शाम साढ़े पांच बजे पुलिस चौकी क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव में कबरई रोड हाइवे पर स्थित अंबेडकर पार्क में बनी अंबेडकर प्रतिमा में ग्रामीण अनिल कुमार यादव पुत्र कल्लू सिंह यादव निवासी जहांगीराबाद ने किसी बात को लेकर प्रतिमा पर पथराव कर दिया, जिससे अंबेडकर समर्थकों ने आक्रोश व्यक्त कर पार्क के सामने जाम लगाकर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की सूचना पाकर घाटमपुर पुलिस बल के साथ एसीपी रंजीत कुमार सिंह एवं इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचे और आरोपी की तलाश कर उसके विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को समझाया। एक घंटे से लगे जाम को हटवाकर यातायात बहाल कराया। एसीपी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी अनिल कुमार सिंह यादव की तलाश की गई। वह मौके से भाग निकला। बताया कि आरोपी के न मिलने पर उसके पिता कल्लू सिंह यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी की तलाश कर मामले की जांच कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

केडीए में सहायक अभियंता को दी गई विदाई

प्रवर्तन में तैनात सीके चतुर्वेदी को दी भावभीनी विदाई

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण में तैनात सहायक अभियंता चंद्रकांत(सीके) चतुर्वेदी गुरूवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनका विदाई समारोह केडीए सभागार में भव्य ढंग से आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों एवं साथी कर्मियों ने बुके एवं उपहार देकर उनके जीवन के नए पडाव की शुभकामनाएं दीं। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने कहा कि रिटायर तो सभी को होना है लेकिन व्यक्ति अपनी कार्यशैली से हमेशा याद किया जाता है। इसलिए हमेशा अपने व्यवहार और कार्यो को सरल रखना चाहिए। इस दौरान सचिव अभय पांडेय, टाउन प्लानर मनोज कुमार यादव, वरिष्ठ पार्षद अभिषेक गुप्ता मोनू, ओएसडी सत शुक्ला, डा0 रवि प्रताप सिंह, पीए कश्यपकांत दुबे, हिमांशु साहू, एई अमनदीप तिवारी सहित अन्य विभागीय इंजीनियर एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चमनगंज में केस्को ने पकड़े 90 बिजली चोर

» मीटर बाईपास, भूमिगत केबिल और पोल में कटिया डालकर कर रहे थे चोरी, एफआईआर दर्ज

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने सर्वाधिक लाइन लॉस वाले चमनगंज क्षेत्र में 42 दिनों तक बिजली चोरी रोको अभियान चलाकर 90 बिजली चोर पकड़े। टीम ने सभी के खिलाफ विद्युत चोरी निरोधक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। केस्को की विजिलेंस टीम के मुताबिक सर्वाधिक बिजली चोरी चमनगंज क्षेत्र में हो रही है। इसलिए केस्को की विजिलेंस टीम 17 मार्च से यहां पर प्रतिदिन मॉर्निंग रेड, दिन के समय कॉम्बिंग रेड और रात में नाइट पेट्रोलिंग भी कर रही है।

केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक केस्को की विजिलेंस टीम ने 42 दिन में 1576 परिसरों की चेकिंग की, टीम ने 83 परिसरों पर मौके पर बिजली चोरी पकड़ी। यह लोग मीटर बाईपास कर, भूमिगत केबिल में कटिया या पास के पोल से कटिया डालकर बिजली चोरी कर रहे थे। टीम ने इन 83 लोगों के खिलाफ विद्युत चोरी निरोधक थाने में एफआईआर दर्ज कराई। वहीं, 28 अप्रैल को टीम ने मॉर्निंग रेड के दौरान तीन परिसरों में बिजली की चोरी पकड़ी। 29 अप्रैल को क्षेत्र में पांच जगह बिजली चोरी पकड़ी गई है। बिजली चोरी रोकने के लिए यह अभियान तब तक चलता रहेगा, जब तक चमनगंज क्षेत्र में लाइन लॉस 25 फीसदी से घटकर पांच फीसदी नहीं हो जाता।

केस्को के एक अभियंता ने बताया कि बिजली चोरों ने भूमिगत केबिल और सी पैनल से बिजली चोरी करने का तरीका भी खोज निकाला है। एबी केबिल से भी पूर्व में बिजली चोरी के मामले सामने आ चुके है। भूमिगत केबिल से बिजली चोरी करना वैसे तो मुश्किल है, लेकिन जब भूमिगत कोई कार्य होता है तो बिजली चोर कार्य करने वाले श्रमिकों से सेटिंग कर बिजली चोरी करते हैं। जिसकी वजह से संबंधित क्षेत्र के ट्रांसफार्मर पर लोड बढ़ता है और फाल्ट होते हैं।

फर्जी मरीज दिखाकर हेराफेरी में फंसी डॉ. दीप्ति गुप्ता पर गिरी गाज

» 16 फरवरी को डीएम के निरीक्षण में फर्जी मरीज इंट्री का हुआ था खुलासा

» डीएम की रिपोर्ट पर हुई कार्यवाही

» स्वास्थ्य विभाग में सख्ती, 15 डॉक्टरों पर जांच के आदेश

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर।स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था सुधारने को लेकर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एक्शन मोड में हैं। प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और अनुशासनहीनता को लेकर उन्होंने 15 डॉक्टरों के खिलाफ जांच के निर्देश दिए हैं।

इन डॉक्टरों में कानपुर नगर के केपीएम नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉ. दीप्ति गुप्ता का नाम भी शामिल है। उपमुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव को विभागीय कार्रवाई करने को कहा है। इन डॉक्टरों पर रोगियों की चिकित्सा में लापरवाही, ड्यूटी से गैरहाजिरी और सरकारी दस्तावेजों में गड़बड़ी जैसे गंभीर आरोप हैं।

कानपुर नगर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने 16 फरवरी को केपीएम अस्पताल का निरीक्षण किया था। यह दौरा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की समीक्षा के तहत हुआ था, लेकिन निरीक्षण के दौरान जब मरीजों के रजिस्टर की जांच हुई तो उसमें एक जैसे हस्ताक्षर और लिखावट दिखी। शक होने पर डीएम ने एक मरीज के नंबर पर कॉल कर पुष्टि की, जिसमें मरीज ने बताया कि वह अस्पताल आया ही नहीं। इसके बाद जब नोडल अधिकारी डॉ. आरएन सिंह ने डॉ. दीप्ति गुप्ता से सवाल किया तो उन्होंने 24 मरीजों की फर्जी इंट्री स्वीकार कर ली।

फाइल फोटो

डॉ. दीप्ति गुप्ता ने 24 मरीजों की फर्जी इंट्री स्वीकार की

फर्जीवाड़े पर डीएम ने तत्काल कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे सरकारी अभिलेखों में हेराफेरी मानते हुए डॉ. दीप्ति गुप्ता के साथ नोडल अधिकारी व अन्य जिम्मेदारों पर कार्रवाई की संस्तुति की थी। उन्होंने साफ किया था कि प्रमुख सचिव स्वास्थ्य से कड़ी कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। अब उपमुख्यमंत्री की तरफ से जांच के निर्देश मिलने के बाद माना जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में जल्द सख्त कदम उठाएगा

पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन ने सफाई का फूंका बिगुल

» जोन 5 के आजाद कुटिया स्वर्ग आश्रम में चला अभियान

14 ट्रक कूड़ा साफ करवाया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन संगठन का आज दूसरा अभियान जोन 5 आजाद कुटिया स्वर्ग आश्रम जहां लोग मिट्टी लेकर जाते हैं ।
वहां पर पार्षद दल संरक्षक के साथ 1 मई 2025 श्रमिक दिवस के शुभ अवसर पर प्रातः 7.00 बजे से 11.30 बजे तक अभियान चलाकर पार्षद वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक अमित पांडे, पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, सौरभ देव, अनिल यादव, नीरज चढ़ा,सुधीर यादव, आकाश वाजपेई, प्रदीप मिश्रा,अभिनव शुक्ला गोलू, विनोद कुमार चालक कर्मचारी नेता,मनीष गंगवानी, ज्ञानू गंगवानी, संतोष चंदेल, वैभव पाहवा, के साथ जोनल स्वच्छता अधिकारी सफाई खाद्य निरीक्षक तथा उनकी टीम के साथ फांसी मशीन, जेसीबी, बॉबकट, टीपर,चालक लोगों ने मिलकर स्वच्छता अभियान आजाद कुटिया नहर में चलाया।

सफाई के बारे में जानकारी देते पार्षद वेलफेयर दल के पदाधिकारी

जिसमें 14 ट्रक नहर से गंदगी निकालकर पनकी डंपिंग ग्राउंड भेजा गया। नहर के पास निवास कर रहे निवासियों से अनुरोध किया गया की खुद गंदगी न फेके और लोगों को जागरूक करें। जिससे नहर स्वच्छ रहे सके साथ ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों को आड़ेहत लेते हुए कहा कि यह नहर पर कब्जा हो रहा है रास्ते बंद हो गए हैं शील्ड पड़ी हुई है आप लोग यहां क्या करते हैं हम लोग सिंचाई मंत्री से बात करके नहर के दुर्दशा के बारे में अवगत कराएंगे और नहर के पास कबाड़ी की दुकान लगाने वाले फैलू नाम के व्यक्ति पर नाराजगी जहर करते हुए दुकान के आसपास सफाई रखना एवं नहर में गंदगी ना फेंकने को कहा गया नहर के पास जनता से कहा गया कि यदि कबड्डी नहर में कूड़ा फेंकता है तो संगठन एवं नगर निगम से इसकी शिकायत तुरंत करें कार्रवाई की जाएगी । तीसरा अभियान अब सचान नहर पर किया जाएगा।

सम्पादकीय

मनमानी रोकने को दिल्ली सरकार विधेयक

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है?

बड़ी कीमत चुकानी होती है युद्ध की

छमा शर्मा

कुछ टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर मुहिम चल रही है कि भारत पाक पर हमला करके सबक सिखाए। लेकिन क्या युद्ध करना इतना आसान है? आम आदमी को महंगाई व युद्ध? व्यय में भागीदारी के रूप में बड़ी कीमत चुकानी होती है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय शक्तियां भी अपने हितों के अनुरूप खेलना शुरू कर देती हैं।

पहलगाम में जिस तरह से धर्म पूछ-पूछकर, एक समुदाय के आतंकवादियों ने दूसरे समुदाय के लोगों की हत्या की, वह बेहद निंदनीय है। वह स्त्री जिसकी एक महीने पहले शादी हुई, वह जिसकी एक हफ्ते पहले शादी हुई और जान गंवाने वाले बाकी के लोग, उन्होंने किसका क्या बिगाड़ा था। कश्मीर में अरसे से इस तरह के हत्याकांडों को अंजाम दिया जा रहा है।

जब से यह हत्याकांड हुआ है, केंद्र की सरकार ने बहुत से कूटनीतिक कदम भी उठाए हैं, जिनमें सिंधु जल समझौते को रोकना, पाकिस्तानियों को देश से निकालना, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बारे में आगाह करना आदि बातें शामिल हैं। हालांकि, बहुत से दल और लोग सरकार की देरी पर सवाल उठा रहे हैं, उकसा रहे हैं। सरकार अगर सोच-समझकर निर्णय लेना चाहती है तो इसमें गलत क्या है।इस घटना के बाद सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एक तरफ तो कहा जा रहा है कि अभी के अभी फौरन युद्ध चाहिए। दूसरी तरफ लोग हर बात के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। ये चाहते हैं कि सरकार इनकी मांग पर युद्ध शुरू कर दे। पाकिस्तान और भारत के बयानवीर तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। इस कठिनाई के समय किसी के भी द्वारा राजनीति की रोटियां सेकना बंद किया जाना चाहिए।

जब से इराक, अमेरिका युद्ध का लाइव प्रसारण शुरू हुआ, तब से मीडिया के लिए युद्ध बहुत आकर्षक हो चला है। आखिर जो देश युद्ध में फंसे होते हैं, उनके घरेलू मोर्चे पर क्या होता है। पहली बात तो महंगाई इतनी बढ़ जाती है कि उसकी कल्पना करना मुश्किल है। काले बाजारियों की बन आती है। जरूरी चीजें रातों-रात बाजार से गायब हो जाती हैं। उन्हें मनमाने दामों पर बेचा जाता है। दवाइयों की बहुत किल्लत हो जाती है। आवागमन पर इसका बहुत प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के तौर पर जैसे ही पहलगाम में लोगों को मारा गया, एयरलाइंस ने अपने किराए छह गुने बढ़ा दिए। सरकार ने उनसे किराया कम करने को कहा भी लेकिन एयरलाइंस कम्पनियां नहीं मानीं। जबकि कश्मीर की घटना के बाद कोई युद्ध नहीं शुरू हो गया था। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि लोग इस डर से कि कहीं युद्ध हुआ अगर वक्त पर कोई सामान लड़ाई के कारण नहीं मिला तो भारी मात्रा में खरीददारी कर रहे हैं। लेकिन ऐसा वे ही कर सकते हैं, जिनकी जेब में अतिरिक्त पैसा है। जो रोजमर्रा की कमाई पर निर्भर हैं, वे क्या करेंगे। कोरोना के वक्त भी ऐसा ही हुआ था। महंगाई की मार हर वर्ग को झेलनी पड़ती है। उस मध्यवर्ग को तो ज्यादा ही जो इन दिनों फौरन युद्ध का समर्थन कर रहा है। आखिर युद्ध के वक्त सरकारों के पास पैसा कहां से आएगा, टैक्स के रूप में हमारी जेब से ही। सरकारों के पास अपनी आय तो होते नहीं। लोगों पर टैक्स लगाकर ही वह अपनी आय बढ़ाती है।जो देश भी युद्ध में फंसते हैं, उनकी आर्थिकी तबाह हो जाती है। तमाम दुनिया के देश और संस्थाएं सक्रिय हो जाती हैं। वे हर तरह से अपने लाभ-हानि का गणित बैठाते हैं।

मेहनत के मूल्य और गरिमा के संघर्ष का प्रतीक

मई दिवस

इंद्रजीत सिंह

पूंजी और श्रम के बीच हितों के बुनियादी अंतर्विरोध के चलते श्रम का उचित मूल्य मांगने वाले श्रमिकों के खिलाफ जो हथकंडे अपनाये जाते रहे हैं वे आज भी असामान्य बात नहीं। देश में मुनाफे का अंश बढ़ रहा है और वेतन का घट रहा है। महंगाई, बेरोज़गारी के चलते श्रमिकों की स्थिति बेहतर नहींकही जा सकती है। हर साल दुनियाभर में मई दिवस मनाया जाता है। पिछले 140 साल से 1 मई को श्रमिक वर्ग सड़कों पर उतर कर जो संदेश देता है वह कोई रस्म अदायगी नहीं होती। अलबत्ता मेहनतकशों को मई दिवस पर यह अहसास करवाते देखा जा सकता है कि वे भी बतौर नागरिक उतने ही इस दुनिया के हकदार हैं जितना और कोई। बदकिस्मती से इस साल मई दिवस भारत के श्रमिकों को आतंकवाद के खात्मे के संकल्प के साथ पहलगाम की काली छाया में मनाना पड़ेगा। विगत में रोजी-रोटी के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूर भी कश्मीर में आतंकवाद का शिकार हुए। आशा करें, शीघ्र स्थिति सामान्य हो, जिंदगी पटरी पर लौटे।

महंगाई, बेरोज़गारी और अन्य समस्याओं से श्रमिक और वेतनभोगी वर्ग आज बदहाल है। विश्व पूंजीवाद का अभूतपूर्व संकट महाशक्तियों के बीच हो रही खींचतान के रूप में सामने है। इस उठापटक के सबसे ज्यादा भुगतभोगी मजदूर, किसान और छोटे कर्मचारी बन रहे हैं।जिन विकसित देशों में पहले औद्योगिकरण हुआ उसके परिणामस्वरूप पहली बार जागरूक वर्ग के तौर पर मजदूर वर्ग अस्तित्व में आया। अमेरिका के शहर शिकागो में 1886 में हजारों मजदूरों ने अधिकतम 8 घंटे के काम की मांग को उठाते हुए एक स्थान पर एकत्रित होकर अपनी आवाज़ बुलंद की थी। भारत में पहली बार मई दिवस का आयोजन 1925

में तत्कालीन मद्रास में सिंघारावेलू चेट्टियार के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसका संदेश ब्रिटिश साम्राज्य और पूंजीवाद से मुक्ति पाना था।काफी लोग मानते आए हैं कि 1 मई के विरोध प्रदर्शन पर की गई पुलिस फायरिंग में 8 मजदूर शहीद हुए जिन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु यह दिवस मनाया जाता है। परंतु वास्तव में हुआ यह था कि 1 मई की सभा के दो दिन बाद 3 मई को उसी स्थान पर एक फैक्टरी में की गई तालाबंदी के खिलाफ हड़ताली मजदूरों की शांतिपूर्वक जारी सभा के अंत में षड्यंत्र के तहत किसी एजेंट ने पुलिस पर फायरिंग की जिसमें एक श्रमिक शहीद हो गया। मजदूरों का नेतृत्व करने वाले 8 नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिये गए और आनन-फानन में 6 श्रमिक नेताओं को फांसी दे दी गई। एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा दी और एक अन्य जेल में मृत पाया गया। मनघड़ंत अभियोग के कारण यह मुकदमा ऐतिहासिक माना जाता है।

दरअसल, मुकदमे में नामजद किए गए 8 में से 6 श्रमिक नेता उस दिन घटनास्थल पर उपस्थित ही नहीं थे। जिस श्रमिक नेता की फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील किया गया उसे 6 साल बाद इलीनोई के गवर्नर ने यह कह कर बरी कर दिया कि दंडित किए गए किसी भी अभियुक्त के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे।

आधुनिक जीवन सामाजिक उत्पादन से चलता है। उत्पादन करने वाले बुनियादी वर्ग मजदूर, किसान व अन्य वे लोग हैं जो अपनी मेहनत करके आजीविका चलाते हैं। इनके अलावा वे तबके जो सेवा क्षेत्र में काम करते हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जनकल्याण आदि। सेवा क्षेत्र से सामाजिक उत्पादन संभव हो पाता है व समाज को बुलंदियों की ओर ले जाता है। नई तकनीक भी समाज के निरंतर व सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल होती है।

लैपटॉप को लंबा चलाएं, नुकसान से बचाएं जरूरी टिप्स

लैपटॉप एक पोर्टेबल डिवाइस है और इसकी जिम्मेदारी आपके ऊपर होती है। मोबाइल फोन की तरह ही लैपटॉप भी आपके दिन-प्रतिदिन के कामों का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में अगर इसका सही तरीके से ख्याल न रखा जाए, तो यह जल्दी खराब हो सकता है।

लैपटॉप आजकल हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। चाहे काम हो, पढ़ाई हो या फिर मनोरंजन, लैपटॉप पर हमारी निर्भरता लगातार बढ़ रही है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर इसका सही तरीके से ख्याल न रखा जाए तो ये जल्दी खराब भी हो सकता है? लैपटॉप की देखभाल सिर्फ इसे साफ रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके हर पहलू पर ध्यान देने की जरूरत होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका लैपटॉप लंबा चले, तो इन खास टिप्स को जरूर फॉलो करें।

लैपटॉप की सही देखभाल

लैपटॉप एक पोर्टेबल डिवाइस है और इसकी जिम्मेदारी आपके ऊपर होती है। मोबाइल फोन की तरह ही लैपटॉप भी आपके दिन-प्रतिदिन के कामों का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में अगर इसका सही तरीके से ख्याल

न रखा जाए, तो यह जल्दी खराब हो सकता है। इसकी सही देखभाल से न सिर्फ इसकी लाइफ बढ़ती है, बल्कि यह हमेशा अच्छे से काम करता रहता है। अगर आप यात्रा पर अक्सर जाते हैं, तो एक हार्ड केस वाले बैग में लैपटॉप रखें, जिससे किसी भी तरह के झटके से यह सुरक्षित रहे। लिक्विड से रखें दूर- छोटे से लापरवाही से बड़ा नुकसान

हममें से कई लोग अपने लैपटॉप पर चाय, कॉफी या पानी गिरा देते हैं, जो इसके इंटरनल पार्ट्स को खराब कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप लैपटॉप को किसी भी लिक्विड से दूर रखें।

कभी-कभी काम करते समय चाय या पानी गिरने पर लैपटॉप के अंदर खराबी आ सकती है, जिससे यह सही से काम नहीं करता। अगर गलती से लिक्विड गिर जाए, तो तुरंत लैपटॉप को बंद कर दें और उसे उल्टा रखकर सुखाएं। ओवरहीटिंग से बचाव करें- लैपटॉप का तापमान सही रखें

लैपटॉप का ज्यादा गर्म होना उसकी बैटरी लाइफ और परफॉर्मेंस के लिए खतरनाक हो सकता है। अगर आप लैपटॉप को लगातार चलाते हैं, तो यह बहुत गर्म हो सकता है, जिससे इसके पार्ट्स पर असर पड़ सकता है।

लैपटॉप का तापमान सही बनाए रखने के लिए इसे अच्छी वेंटिलेशन वाली जगह पर रखें। इसके अलावा, अगर लैपटॉप ज्यादा गर्म हो रहा हो तो आप कूलिंग पैड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो लैपटॉप को ठंडा रखने में मदद करता है। वायरस और मालवेयर से सुरक्षा- डेटा को सुरक्षित रखें

अगर लैपटॉप में वायरस या मालवेयर घुस जाए, तो न सिर्फ आपका डेटा चोरी हो सकता है, बल्कि यह सिस्टम को भी धीमा कर सकता है।

ऐसे में एक अच्छा एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल करना बेहद जरूरी है। यह आपके लैपटॉप को वायरस और अन्य खतरों से सुरक्षित रखेगा। इसके अलावा, किसी भी संदिग्ध ईमेल या वेबसाइट पर क्लिक करने से बचें। यह भी सुनिश्चित करें कि आपके एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर को हमेशा अपडेट किया जाए।

कोरियन ब्यूटी टिप्स से पाएं ग्लोइंग स्किन!

गर्मियों में स्किन का खास ख्याल रखें, धूप और धूल से बचें। कोरियन ब्यूटी टिप्स अपनाएं और पाएं क्लियर एंड ग्लोइंग स्किन आसानी से।

फैशन मंत्रा

आजकल कोरियन ब्यूटी हैक्स के लोग ज्यादा दीवाने हो रहे हैं। अगर आप भी चाहती हैं कोरियन लोगों की तरह ग्लोइंग स्किन आप भी पा सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स देने जा रहे हैं, जिससे आप भी कोरियन जैसा ग्लो पा सकते हैं।

दुनिया भर में कोरियन ब्यूटी ने तहलका मचा रखा है। जब बात स्किनकेयर की आती है और शीशे जैसी चमकदार स्किन पाने के लिए लगो कोरियन ब्यूटी हैक्स का इस्तेमाल करते हैं।

अगर आप भी समर सीजन में ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं, तो आपको इसके लिए काफी पापड़ बेलने होंगे। स्किन ग्लो बनाने के लिए आप इन कोरियन ब्यूटी टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

आइए आपको कुछ कोरियन ब्यूटी टिप्स बताते हैं, जिन्हें आप क्लियर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए फॉलो कर सकते हैं। ऑयल-बेस्ड क्लींजर का यूज करें स्किन संबंधित कोई भी समस्या न हो इसलिए अच्छी तरह से केयर करना बेहद जरुरी है। इसके लिए आपको ऑयल बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस ऑयल-बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल चेहरे को गंदगी अच्छे से साफ कर देगी।इसके साथ ही आप मेकअप को क्लीन करने के लिए ऑयल बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती है।

टोनर का इस्तेमाल करें

स्किन को हाइड्रेट बनाएं रखना काफी जरुरी होता है। इसका सही तरह से प्रयोग करने से स्किन जुड़ी समस्या दूर होती है। अपनी स्किन को हाइड्रेट बनाने के लिए अल्कोहल-फ्री टोनर का यूज करें।

टोनर के प्रयोग करने से आपकी स्किन डीपली हाइड्रेट रहेगी। इसके साथ ही आप सीरम का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शीट मास्क का प्रयोग करें

यदि आप भी कोरियन जैसा ग्लो चाहते हैं, तो आप हफ्ते में 2 दिन शीट मास्क का अप्लाई कर सकती हैं। मास्क का यूज करने से स्किन जुड़ी समस्या कम होगी और स्किन ग्लो भी होगी।

चंद्रताल लेक, एडवेंचर का मस्ती भरा सफर

आप में से अधिकतर लोग शिमला, मनाली, कसोल और कसौली जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर चुके होंगे। ऐसे में अगर आप भी हिमाचल प्रदेश की भीड़भाड़ वाली जगहों को छोड़कर सुकून और ऑफबीट प्लेसेस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो स्पीति वैली की एक जगह आपके लिए परफेक्ट है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चंद्रताल लेक की।

जिसको मून लेक भी कहा जाता है। हिमाचल की स्पीति घाटी में 4,300 मीटर की ऊंचाई पर यह स्थित है। अगर आप नेचर के खूबसूरत और मनमोहक नजारों का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चंद्रताल लेक आपके लिए बेस्ट है।

पहुंचे चंद्रताल लेक

दिल्ली से चंद्रताल लेक तक बाय रोड दो रास्ते हैं। पहला रास्ता मनाली से और दूसरा रास्ता शिमला से होकर जाता है। ऐसे में आपको तय करना है कि आपको किस ओर से चंद्रताल लेक जाना है।

ऐसे जाएं शिमला से चंद्रताल लेक

यह रास्ता दिल्ली से शुरू होता है और नारकंडा की तरफ जाता है। यहां से फिर आप कल्पा जा सकते हैं और काजा और नाको की यात्रा कर सकते हैं। स्पीति घाटी में आप एक छोटा सा ब्रेक लेने के बाद चंद्रताल लेक की ओर जा सकते हैं।

आप शिमला से किन्नौर तक और फिर स्पीति घाटी की ओर जा सकते हैं। स्पीति घाटी पहुंचने के बाद आप चंद्रताल लेक पहुंच सकते हैं।

ऐसे जाएं मनाली से चंद्रताल लेक

अगर आप चंद्रताल लेक के लिए छोटा रास्ता चाहते हैं, तो मनाली मार्ग आपके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। वहीं अगर आप दिल्ली से जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप मंडी, रोहतांग ला, कुल्लू, ग्रैम्फू और बट्टल से होकर यहां तक पहुंचेंगे।

बर्फ से ढके पहाड़ और खूबसूरत नजारे इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। अगर आप एडवेंचर लवर हैं, तो आपको यहां पहुंचकर काफी मजा आएगा। हालांकि यहां पर पहुंचना भी किसी एडवेंचर से कम नहीं

मनाली से चंद्रताल

मनाली और काजा के बीच सुबह-सुबह दो बसें चलती हैं। बस सुबह 04-30 बजे कुल्लू से चलती है और मनाली ले जाती है। यहां से काजा का टिकट मुश्किल से 250 रुपए प्रति व्यक्ति पड़ता है।

एक बार जब आप शाम तक चंद्रताल डायवर्जन पॉइंट पर उतर जाते हैं, तो यहां से अपना रास्ता हाइकिंग के जरिए पूरा कर सकते हैं।

शिमला से चंद्रताल

शिमला से चंद्रताल के लिए दो नॉन एसी बसें हैं, जो शिमला से रिकांग पियो तक जाती हैं। रिकांग पियो जाने पर काजा पहुंचें और सुबह 07;00 बजे एचआरटीसी बस में बैठें। काजा से मनाली के लिए बस से सफर करें और चंद्रताल झील मोड़ पॉइंट पर उतरें। यहां से आप हाइकिंग के माध्यम से चंद्रताल लेक पहुंच सकते हैं।

घूमने का सही समय

चंद्रताल झील घूमने का सही समय जून से सितंबर के बीच होता है। अगर आप सर्दियों के मौसम में यहां पर ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो यह सही समय नहीं है। क्योंकि यहां पर बर्फ से सड़कें जाम रहती हैं।

वहीं मई के महीने में बर्फ साफ होने लगती है। यहां पर जून से सितंबर तक सड़क खुली रहती हैं और मौसम सुहावना रहता है।

चाचा ने बहू पर लगाया भतीजे की हत्या कराने का आरोप

» एक्सीडेंट से मौत की घटना को संदिग्ध मानते हुए मृतक के चाचा ने पुलिस में की शिकायत

» कहा- बहू ने अपने प्रमी से मरवाया है

» हत्या के बाद एक्सीडेट का रुप देने का आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बीती 26 अप्रैल की रात अपनी बीवी के साथ बाइक से बीमार पिता के लिए खाना लेकर जा रहे इकलौते पुत्र रामतीरथ (20 बर्ष) की दरिया निवादा टोल के पास मार्ग दुर्घटना में हुई मौत परिजनों के गले नहीं उतर रही है। मृतक के चाचा ने एक्सीडेंट से मौत की घटना को संदिग्ध मानकर पुलिस में शिकायत करते हुए कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने बहू पर अपने प्रेमी से भतीजे की हत्या कराने का आरोप लगाया है।

बिल्हौर के रामबक्सपुरवा उत्तरीपुरा निवासी मृतक के चाचा ब्यास मुनि ने बताया कि मेरा भतीजा रामतीरथ अपनी पत्नी गायत्री के साथ 26 अप्रैल की रात करीब 8 बजे शिवराजपुर थाना क्षेत्र के ऊधौनिवादा गाँव स्थित अपनी ससुराल से कल्याणपुर स्थित अस्पताल में भर्ती पिता बलवीर के लिए खाना लेकर पत्नी के साथ मोटरसाईकिल से निकला था। उसी रात भतीजे के ससुर जसवंत ने मुझे फोन पर भतीजे की दरियानिवादा टोल के पास एक्सीडेंट होने की सूचना दी। मृतक के चाचा ने बताया जब मैं मौके पर पहुंचा और दुर्घटना के बारे में पता किया तो पता चला कि यहाँ कोई एक्सीडेंट हुआ ही नहीं। दूसरे स्थान पर एक्सीडेंट होना पता चला। ससुर भतीजे को शिवराजपुर सीएचसी लेकर गए। वहाँ से डॉक्टरों ने हैलट रिफर कर दिया। जब मैं हैलेट अस्पताल गया तो भतीजे के मृत्यु होने की खबर मिली। घटना को संदिग्ध मानते हुए मृतक के चाचा ने शिवराजपुर थाने में बहू के खिलाफ तहरीर देकर घटना की जांच की मांग की है।

जानकारी देते मृतक के चाचा

मोटर साइकिल में खरोंच तक नही

बिल्हौर। मृतक के चाचा के मुताबिक मोटर साइकिल में खरोंच भी नहीं आई। बहू साथ में बैठी थी। उसके भी कोई खरोंच नहीं है। जो गहरी साजिश प्रतीत हो रही है। लड़के की स्थिति ऐसी थी जैसे पत्थरों से मार-मारकर हत्या कर दी गई हो।मुझे पूरा यकीन है बहू ने ही मेरे भतीजे को मरवाया है। इसकी जाँच की जाए।

26 जनवरी को हुई थी शादी

बिल्हौर। मृतक के चाचा व्यास मुनि ने बताया मेरे भतीजे का विवाह शिवराजपुर थाना क्षेत्र के ऊधौ निवादा गांव निवासी जसवंत की बेटी से 26 जनवरी 2025 को हुआ था। आरोप है कि बहू का चाल-चलन ठीक नहीं है। वह चोरी छिपे किसी से बातें करती थी।पूर्व में घर वालों ने उसके पास एक मोबाईल भी पकड़ा गया था

पुलिस की निष्पक्ष जाँच में सच्चाई सामने आएगी

बिल्हौर। मृतक के चाचा के बहू पर जो आरोप है उसके कितनी सच्चाई है।वह पुलिस जाँच में सामने निकल कर आएंगे।और वो मोबाईल पुलिस की जाँच में काफ़ी मदद कर सकता है। जो घर वालों ने बहू को किसी अनजान शख्स से बात करते हुए पकड़ा था।अब सवाल यह है कि क्या वाकई में रामतीरथ का एक्सीडेंट नहीं हुआ... अगर नहीं हुआ तो कातिल कौन.... चाचा की बात में कितनी सच्चाई है फिलहाल पुलिस जांच के बाद पता चलेगा।मामले में ज़ब शिवराजपुर इंस्पेक्टर से संपर्क किया तो उनसे सम्पर्क नहीं हो सका।

1 मई मजदूर दिवस एक शिक्षक का मूक श्रमकथा से संवाद

आज का दिन महज कैलेंडर की तारीख नहीं है। यह वह अधूरा इतिहास है, जिसे श्रम ने लिखा लेकिन समाज ने उसे पढ़ा नहीं। शिक्षक प्रवीण त्रिवेदी ने कहा जब मैं श्रम को देखता हूँ तो वह मुझे सिर्फ उत्पादन की प्रक्रिया में नहीं बल्कि समाज के चरित्र निर्माण में भी रचा-बसा दिखाई देता है। श्रम केवल शरीर की क्रिया नहीं, चेतना का विस्तार है।

ईंट उठाने वाला, खेत जोतने वाला, सिलाई करने वाला या सड़क बनाने वाला ये सब केवल मजदूर नहीं बल्कि हमारे सभ्य होने के साक्ष्य हैं मगर विडंबना यह है कि इन हाथों की लकीरों में जितनी मेहनत है उतनी ही उपेक्षा भी भरी गई है। जिस समाज ने श्रम को नीच और सेवा को दया से जोड़ा, वह अपनी सोच से ही पतित हुआ। मजदूर का पसीना अभी भी सबसे सस्ता तरल पदार्थ बना हुआ है। उसकी कीमत मशीन तय करती है और उसकी नियति नीतियों की उपेक्षा। एक शिक्षक के नाते मुझे यह भी कहना होगा कि हम बच्चों को श्रम से भागने की तालीम दे रहे हैं, सम्मान करने की नहीं। हम उन्हें सफलता तो सिखा रहे हैं लेकिन यह नहीं सिखा पा रहे कि जो समाज श्रमिकों को सम्मान नहीं देता वो आत्मनिर्भर नहीं आत्मवंचित बनता है।

मजदूर दिवस की प्रासंगिकता तब तक अधूरी रहेगी जब तक खेत में हल चलाने वाला किसान, कारखाने में मशीन चलाने वाला श्रमिक, सड़कों पर गिट्टियाँ बिछाने वाला मजदूर और स्कूलों में बच्चों का भविष्य सँवारने वाला शिक्षक भी सिर्फ कार्यबल नहीं बल्कि सम्मानित मानव के रूप में देखा जाए। श्रम का 2ड्डह्य अपमान, समाज की आत्मा का अपमान है।

आज जरूरत है कि हम नजरिया बदलें, नारा नहीं।

मैंने भी आतंकवाद का दर्द झेला, दादी-पिता भेंट चढ़े

कानपुर में राहुल गांधी बोले- शुभम को शहीद का दर्जा दिलाने के लिए पीएम को लिखेंगे पत्र

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिवार से मिलने के लिए नेता विपक्ष राहुल गांधी बुधवार को हाथीपुर गांव पहुंचे। राहुल को देखकर शुभम की पत्नी एशन्या फफक पड़ी जिसपर राहुल ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा कि मैंने आतंकवाद का दर्द झेला है, मेरी दादी और पिता दोनों आतंकवाद की भेंट चढ़े। राहुल ने एशन्या की प्रियंका गांधी से भी मोबाइल पर बात कराई। एशन्या का दर्द सुनकर प्रियंका गांधी का भी गला भर आया।

बुधवार को राहुल गांधी का काफिला अपराह्न 3.40 बजे शुभम द्विवेदी के आवास हाथीपुर पहुंचा। उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मोना मिश्रा, नीलांशु चतुर्वेदी आदि थे। शुभम द्विवेदी के पिता, पत्नी, माता व परिवार के अन्य लोग मौजूद थे। राहुल को देखकर शुभम की पत्नी एशन्या रोने लगी जिसे राहुल ने गले लगाते हुए ढांढस बंधाया और कहा कि परिवार को इंसाफ दिलाएंगे। शुभम के पिता भी आंसू नहीं रोक पाए। एशन्या ने राहुल को बताया कि हर जगह सुरक्षा थी, बस पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी।

राहुल ने उसी समय सांसद प्रियंका गांधी को मोबाइल मिलाया और शुभम की पत्नी एशन्या से बात कराई। राहुल ने आश्वासन दिया कि शुभम को शहीद का दर्जा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे। कानपुर कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि शुभम के परिजनों ने कहा कि राहुल जी ने आकर हमारे बेटे को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला, भूधर नारायण मिश्रा, नरेश त्रिपाठी, हरप्रकाश अग्निहोत्री, अवनीश सलूजा, प्रतिभा अटल पाल, अजय तिवारी, अजय श्रीवास्तव, आलोक मिश्रा, अतहर नईम आदि मौजूद रहे।

राहुल की सुरक्षा में जबरदस्त चूक

नेता विपक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा में शुभम द्विवेदी के आवास के बाहर सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। दरअसल राहुल गांधी जब शुभम के आवास से निकलने वाले थे, उसके पहले ही उनकी कार आवास के गेट के पास लगा दी गई। जब राहुल गांधी आवास से निकले तो कई लोग उनकी कार के सामने आ गए जिससे उनकी कार आगे नहीं बढ़ पा रही थी। राहुल गांधी की कार को सैकड़ों लोग घेरे थे। राहुल गांधी तक तमाम लोग पहुंच गए सिक्योरिटी इतनी टाइट नहीं थी, जितनी होनी चाहिए थी।

शुभम द्विवेदी के आवास पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान श्रद्धांजलि देने के लिए दोपहर करीब 3.15 बजे पहुंचे। जिस समय राज्यपाल शुभम के आवास से बाहर निकल रहे थे, उसी समय राहुल गांधी के काफिले की फ्लीट का साइरन सुनाई देने लगा। हालांकि राहुल का चार्टर्ड प्लान दोपहर 3.45 बजे चकेरी एयरपोर्ट पर लैंड करना था लेकिन प्लेन 3.30 बजे ही लैंड हो गया जिससे राहुल गांधी समय से 15 मिनट पहले पहुंच गए। उस समय बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आवास से निकल रहे थे। आरिफ का काफिला आगे बढ़ा और राहुल के काफिले ने इंट्री की।

भगवान परशुराम की निकली भव्य शोभा यात्रा

» कई जगह श्रद्धालुओं ने किया प्रणाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । शहर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर कल शाम एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कानपुर दक्षिण के पराग डेयरी स्थित हनुमान मठ मंदिर में विराजे भगवान परशुराम का विशेष पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात् भगवान परशुराम की प्रतिमा को एक भव्य सुसज्जित रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। मैं ब्राह्मण हूं महासभा के तत्वावधान में निकाली गई यह शोभायात्रा हनुमान मठ मंदिर पराग डेयरी से चावला मार्केट, बारादेवी साइट नंबर वन किदवई नगर सोटे बाबा मंदिर होते हुए वापस पराग डेयरी पहुंची। शोभायात्रा में सबसे आगे भगवान परशुराम का विशाल फरसा लिए श्रद्धालु चल रहे थे। इस शोभा यात्रा में हजारों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। भगवान परशुराम के भक्तों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। शोभा यात्रा जहां-जहां से गुजरी पूरा क्षेत्र जय भगवान परशुराम के नारों से गुंजायमान हो गया। यात्रा में शामिल भक्तों द्वारा ढोल की थाप पर नृत्य ने माहौल को अलौकिक बना दिया। यात्रा में कानपुर सांसद रमेश अवस्थी, किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी, एमएलसी अरुण पाठक, चौबेपुर ब्लाक प्रमुख राजेश शुक्ला, पंडित वीरेंद्र दुबे, शैल शुक्ला, आशीष त्रिपाठी, प्रशांत त्रिपाठी, अभय शुक्ला, त्रिवेदी, शिवम त्रिपाठी, अतुल तिवारी आक्रोश सहित कानपुर के तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मैं ब्राह्मण हूं महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि यह भव्य शोभायात्रा विगत पांच वर्षों से लगातार निकल रही है। यात्रा का उद्देश्य ब्राह्मण समाज की एकता के प्रदर्शन के साथ ही सभी जातियों और वर्गों की एकता प्रदर्शित करना है। संस्था की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पूजा सुरेंद्र दुबे ने कहा यात्रा का संदेश स्पष्ट है ब्राह्मण एक था, एक है, और एक रहेगा। संस्था के कानपुर मंडल उपाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा भगवान परशुराम सबके हैं और भगवान परशुराम का आशीर्वाद सभी सनातनियों को प्राप्त हो, यही इस यात्रा का उद्देश्य है। यात्रा के विषय में चौबेपुर ब्लाक प्रमुख राजेश शुक्ला ने कहा सनातनी एक हैं, यात्रा सनातनी एकता का प्रतीक है। ब्राह्मण समाज की एकजुटता का प्रमाण है।सौरभ त्रिपाठी ने कहा कि यह यात्रा केवल ब्राह्मण समाज की नहीं है ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

टूटे बिजली के खंभे हादसे को दे रहे न्यौता

तेज आंधी में गिरे खंभे, विभाग की लापरवाही चरम पर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। एनएच-25 देवीपुर से मलासा रोड पर पिछले पांच दिनों से टूटे पड़े छह बिजली के खंभे और सड़क पर बिछे बिजली के तार राहगीरों के लिए जानलेवा खतरा बन चुके हैं। ये स्थिति तेज आंधी के बाद उत्पन्न हुई, लेकिन बिजली विभाग अब तक बेखबर बना हुआ है। क्षेत्रवासियों में भय और आक्रोश दोनों का माहौल है।

अगर रात के समय कोई वाहन इन तारों से टकराता है, तो बड़ा हादसा हो सकता है।शुक्रवार रात करीब 9 बजे तेज आंधी-तूफ़ान के कारण मुतैहेरापुर फीडर से जुड़े मलासा गांव की बिजली लाइन के कई खंभे टूटकर सड़क पर गिर गए थे। इसके बाद से न तो बिजली आपूर्ति सामान्य हो पाई है और न ही खंभे हटाने की कोई कार्रवाई की गई। बिजली विभाग की इस घोर लापरवाही ने पूरे गांव को खतरे में डाल रखा है, मानो कोई बड़ी घटना होने का इंतज़ार हो रहा हो।

ग्रामीणों की चेतावनी—जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे विरोध

स्थानीय लोगों ने कई बार विद्युत विभाग के लाइनमैन और अधिकारियों को जानकारी दी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। मलासा गांव के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर टूटे खंभे और तार तत्काल नहीं हटाए गए, तो वे विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि हादसे से पहले हरकत में आकर विभाग खतरे को दूर करे।

शादी में शामिल होने जा रहे पूर्व सैनिक की सड़क हादसे में मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में पूर्व सैनिक ओम नारायण (54) की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। वह अपने भतीजे उज्जवल पांडेय की शादी में शामिल होने के लिए बाइक से रसूलाबाद आ रहे थे। जैसे ही वह संजय नगर चौराहा कहिंजरी के पास पहुंचे, तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें भारी रक्तस्राव हुआ और परिजन उन्हें आनन-फानन में महाराणा प्रताप स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शादी की खुशियां मातम में तब्दील

ओम नारायण सिंहपुर कानपुर के निवासी थे और वर्तमान में एनटीपीसी स्टेशन में गार्ड के रूप में कार्यरत थे। उनके भतीजे उज्जवल पांडेय की बारात कन्नौज से रसूलाबाद कस्बे के एक गेस्ट हाउस में आनी थी, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं। जैसे ही यह दुखद खबर परिवार को मिली, शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उपनिरीक्षक मिलन सिरोही ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामगंगा नहर की धार बनी काल

तेज बहाव में डूबा युवक, 5 किलोमीटर दूर जाकर मिला शव

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र में नहर में नहाने गया एक श्रमिक डूब गया। यह हादसा बुधवार दोपहर मुनौरापुर गांव में हुआ, जब औरैया जनपद के लालपुर गांव निवासी 20 वर्षीय आशिक पुत्र भोलानाथ अपने साथी छोटू के साथ निचली रामगंगा नहर में नहा रहा था। नहर में छलांग लगाने के बाद वह पानी की तेज धारा में लापता हो गया। उसके साथी छोटू ने तुरंत बाहर निकलकर बाकी मजदूरों को जानकारी दी, लेकिन काफी तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं लगा।

लगातार 20 घंटे की खोजबीन के बाद गुरुवार को जिताई का पुरवा गांव के पास नहर में शव उतराता हुआ मिला। शव घटनास्थल से लगभग 5 किलोमीटर दूर मिला। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों और एनडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक श्रमिक मुनौरापुर से कंचन निवादा तक बन रही डामर रोड में मजदूरी कर रहा था। हादसे के वक्त वह काम

मौके पर भारी पुलिस बल, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

शव मिलने की सूचना पर उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह, कोतवाल अनिल कुमार, नायब तहसीलदार अभिनय चतुर्वेदी, कानूनगो अनिल कुमार, लेखपाल कुमार गौरव समेत भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। किशोर की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसान यूनियन ने पीएमटी अस्पताल के विरूद्ध शुरू हुई जांच पर उठाए सवाल

स्वराज इंडिया फालोअप

स्वराज इंडिया
अपना प्रदेश
10

डाक्टर ने कहा मरीज को बीमारी नहीं, भूत लगा है!

» अयोध्या में एक निजी अस्पताल का कारनामा, भूत-ओझाई और लाखों की लूट

» पथरी के इलाज में कटी पित्त की नली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। गलत आपरेशन करने के बाद महिला मरीज को तांत्रिक के हवाले करने के मामले में आरोपित किए जा रहे बीकापुर के मजरुद्दीनपुर स्थित पीएमटी अस्पताल के खिलाफ सीएमओ अयोध्या की ओर से प्रारम्भ कराई गई जांच को लेकर सवाल उठने लगे हैं। भारतीय किसान यूनियन ने सीएमओ को शिकायती पत्र देकर जांच टीम बदलने की मांग की है।

» जांच टीम बदलने की मांग उठाई

» यूनियन का दावा एक वर्ष से अस्पताल का नहीं हुआ है पंजीकरण

» नर्सिंग होम एक्ट के नियमों की हो रही अनदेखी

भारतीय किसान यूनियन के नेता राम जनम यादव की ओर से सीएमओ को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि जांच अधिकारी पर दबाव डाल कर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच टीम के अधिकारियों ने पीएमटी अस्पताल में जाना मुनासिब नही समझा। तहसील में बैठकर जांच पूरी करने का दिखावा किया जा रहा है। किसान यूनियन के नेता का यह भी आरोप है कि बीते एक वर्ष से अधिक समय हो रहा है अस्पताल के पंजीकरण का रिन्यूअल नहीं हुआ है। जिन चिकित्सकों को अस्पताल में सेवा देने के लिए अनुबंधित किया गया है, उनका सीएमओ आफिस में कोई भी जानकारी नहीं दर्ज कराई गई है।नियमत ःआन काल के चिकित्सक अस्पताल से 30 किमी के अन्दर के होने चाहिए, किन्तु यहां लखनऊ से चिकित्सक बुलाने का दावा किया जाता है। सीएमओ को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि यदि जांच टीम में परिवर्तन नहीं किया जाता है, तो किसान यूनियन आन्दोलन के लिए बाध्य होगी।

बताते चलें कि बीकापुर तहसील के मजरुद्दीपुर स्थित पीएमटी प्राइवेट हॉस्पिटल में मंगारी गांव निवासी सुनीता देवी को पित्त की थैली में पथरी की शिकायत पर 13 जून 2024 को भर्ती कराया गया। डॉक्टर बालमुकुंद ने उसी दिन ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इलाज के नाम पर लापरवाही का खेल शुरू हुआ। ऑपरेशन के बाद महिला की हालत सुधरने की बजाय बिगड़ती चली गई। 17 दिन तक उसे बेवजह अस्पताल में रखा गया और जब परिजनों ने आपत्ति जताई तो डॉक्टर ने मेडिकल असफलता को छुपाने के लिए कहा फ्रमरीज को बीमारी नहीं, भूत लगा है।फ्रडॉक्टर बालमुकुंद महिला को सुल्तानपुर अपने तांत्रिक गुरु के पास ओझाई कराने ले गया, लेकिन जब वहां भी आराम नहीं मिला तो उसे लखनऊ के एक हॉस्पिटल में भर्ती करवा कर डॉक्टर खुद भाग खड़ा हुआ। पीड़ित पति भगवानदीन ने बताया कि इलाज के नाम पर लगभग दो लाख रुपये वसूले गए और जब लोहिया अस्पताल में असली वजह पता चली तो दिल दहल गया — ऑपरेशन में महिला की पित्त की नली ही काट दी गई थी।

अयोध्या के कई पंचायत भवनों में ताला, ग्रामीण बेहाल

» पंचायत सहायक घर बैठे ले रहे मानदेय

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। ब्लॉक क्षेत्र के अधिकांश पंचायत भवनों पर ताले लटक रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते न तो सहायक पंचायत कर्मी समय से आते हैं और न ही ग्राम सचिवालय का संचालन नियमित रूप से हो रहा है। ग्राम पंचायत ताहीरपुर बरौली में बुधवार सुबह 11ः20 बजे जब हमारी टीम पहुंची, तो पंचायत भवन पर ताला लटका मिला। वहां मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि यह आम बात है पंचायत भवन पर हमेशा ताला ही रहता है। न कोई बैठक होती है और न ही ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी या सहायता मिलती है। ग्रामीणों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए दो किलोमीटर दूर ब्लॉक मुख्यालय पूरा जाना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, सहायक पंचायतकर्मी नियमित मानदेय तो ले रहे हैं, लेकिन अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं।

इस संबंध में एडीओ पंचायत पूरा रवींद्र वर्मा ने कहा कि सचिवालय का संचालन प्राथमिकता से कराया जाएगा। ग्राम सचिवों को नियमित रूप से सचिवालय पर बैठने का निर्देश दिया गया है। जल्द ही निरीक्षण दल गठित कर पंचायत भवनों का औचक निरीक्षण कराया जाएगा। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में 12 वेटलैंड्स को राज्य आर्द्रभूमि समिति से अधिसूचित करने की तैयारी

» बाराबंकी जनपद में मौजूद है 400 से ज्यादा वेट लैंड, जिओ टैगिंग की शुरुआत

»प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा राजधानी का निकटवर्ती जनपद

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। वेटलैंड्स, यानी आद्रभूमि जैसे दलदल,पोखर, झील या यू कह लीजिए प्रकृति की वो धरोहर एक ऐसा भू भाग एक जहाँ पानी या तो स्थायी रूप से या मौसमी रूप से मिट्टी को संतृप्त करता है, इन क्षेत्रों में आमतौर पर जल स्तर सतह के पास या उसके ऊपर होता है, और वे स्थलीय और जलीय पारिस्थितिक प्रणालियों के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र होते है, जो कई जीवो को आवास प्रदान करती है, साफ शब्दों में जैव विविधता को संरक्षण भी प्रदान करती है।

जनपद में वेट लैंड अधिक मात्रा में है, जिसके चलते प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान किसी स्वर्ग से कम नहीं है, अब इन भूमियों को संरक्षित करने की कयावद शुरू कर दी गई है, डीएम शशांक त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में 400 चिह्नित वेटलैंड्स का सीमांकन और जीओ टैगिंग शुरू करवा दी है, बकौल जिलाधिकारी इन वेटलैंड्स की सीमाओं को चिह्नित करने का काम राजस्व टीमों द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही सेव वेटलैंड्स कैंपेन पोर्टल पर हर मंगलवार इनका अपडेट भी देना अनिवार्य किया गया है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस अभियान को तीन माह में पूरा करना है।

वही ध्रुवस्र आकाशदीप वधावन ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि 2018 में केंद्र सरकार ने बाराबंकी में 2.25 हेक्टेयर या इससे अधिक क्षेत्रफल वाले 400 वेटलैंड्स की पहचान की थी,अब इन सभी का सीमांकन तेजी से किया जा रहा है,डीएफओ ने बताया कि रेंज अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तहसीलों में एसडीएम से समन्वय बनाकर सीमांकन कार्य में तेजी लाएं और जो लोग वेटलैंड्स प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ कर रहे हैं, उनकी पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

आपको बता दे कि केंद्र सरकार ने सैटलाइट सर्वे के जरिए बाराबंकी में 400 वेटलैंड चिह्नित किए ,जिनमें प्रमुख रूप से भगहर झील, बनगांवा, चकौरा भितरी, बैनाटीकाहार, कमरावां, सराई बराई, नटकौली, खुर्दमऊ आदि प्रमुख है।

जनपद के इन 12 वेटलैंड्स को राज्य आर्द्रभूमि समिति से अधिसूचित कराने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। अधिसूचना का ड्राफ्ट प्रमुख सचिव पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन) को भेजा जा चुका है। अधिसूचना जारी होते ही वन विभाग को कानूनी अधिकार मिल जाएंगे जिससे इन वेटलैंड्स की सुरक्षा और बेहतर तरीके से हो सकेगी।

घर में अकेली किशोरी से किया दुष्कर्म

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। थाना क्षेत्र के गांव में किशोरी को घर में अकेला पाकर आरोपी द्वारा दुष्कर्म किया गया। पीड़िता के पिता ने मामले की तहरीर पुलिस को दी है। पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। सीओ जगत राम कनौजिया ने घटना को संज्ञान में लेते हुए थाना प्रभारी अनिल सिंह को साथ लेकर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आरोपी को हिरासत में भी ले लिया है और मामले को निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की पूरी तैयारी में जुटे हुए हैं।

कुर्सी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को तहरीर देकर जानकारी दी कि बुधवार को उसकी 15 वर्षीय पुत्री घर में अकेली थी। किशोरी को अकेला पाकर गांव का ही विशेष समुदाय का एक युवक छत के रास्ते से घर में घुस आया और उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। शिकायत करने पर आरोपी किशोरी को जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। परिजन घर आए तो किशोरी ने घटना की जानकारी दी।

तेज रफ्तार का कहर

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, रेलवे गनमैन की मौके पर मौत, दो गंभीर

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। गुरुवार रात रसूलाबाद कस्बे में कानपुर मार्ग पर एक बेकाबू कार नीम के पेड़ से टकरा गई। हादसे में रेलवे गनमैन राजकुमार यादव (38) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार दो अन्य लोग–अमन चौहान और अभय सिंह–गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हैलट अस्पताल रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

चालक ने खोया नियंत्रण, परिवार में मचा कोहराम–

मूल रूप से फतेहपुर के मेडईपुर निवासी राजकुमार यादव अपने मित्र अमन चौहान और चचेरे साले अभय सिंह के साथ बिधूना में एक शादी समारोह में जा रहे थे। नगर पंचायत कार्यालय के पास पहुंचते ही कार अनियंत्रित होकर सीधे पेड़ से जा टकराई। कार अभय सिंह चला रहा था, जबकि राजकुमार बगल वाली सीट पर बैठे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों में मातम छा गया। मृतक गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन पर गनमैन के पद पर तैनात थे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की जीवनी पर आधारित पुस्तक का विमोचन

चुनौतियां मुझे पसंद हैं, नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथः योगी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संघर्षों और प्रेरणादायक जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन किया। गुरुवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के संघर्षमय जीवन की शून्य से शिखर तक की प्रेरणादायक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यह पुस्तक नवपीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ की तरह है।

सीएम योगी ने कहा कि गुजरात के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सबसे बड़े राज्य की राज्यपाल बनने तक की यात्रा आसान नहीं थी। यह पुस्तक बताती है कि जब कोई महिला समाजिक बंधनों, संसाधनों की कमी और परिस्थितियों की चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ती है, तो वह समाज के लिए एक प्रेरणा बन जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं बल्कि जीवन के हर उस पहलू को उजागर करती है जो संघर्षों के बाद सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी कहती है। उन्होंने इसके लेखक विनय जोशी, अशोक देसाई और पंकज जानी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस ग्रंथ को 14 अध्यायों में उस तरह रचा है जैसे समुद्र मंथन से निकले 14 रत्न। सीएम योगी ने कहा कि हम अक्सर शिखर देखते हैं लेकिन यह नहीं देखते कि उस शिखर की नींव कितने संघर्षों से बनी है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कोई भी व्यक्ति यदि कठिनाइयों का सामना हिम्मत और संकल्प के साथ करता है तो वह दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

महाकुंभ को वैश्विक पहचान मिलीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति को कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने वाला बताते हुए कहा कि महाकुंभ के समय भी उपराष्ट्रपति जी की उपस्थिति ने हमें नई प्रेरणा दी थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उपराष्ट्रपति जी के मार्गदर्शन में महाकुंभ को वैश्विक पहचान मिली। सीएम योगी ने लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ज़रूरी बताते हुए कहा कि 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' जैसी रचनाएं लोकतंत्र को मजबूत करने वाली होती हैं। यह पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र, संघर्ष, आत्मविश्वास और नारी शक्ति का समग्र चित्रण है।

यूपी आज उत्तम प्रदेश है, योगी इसके सारथी हैं

इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आनंदी बेन पटेल नाम ही काफी है। जिस प्रदेश में वह शिक्षक रहीं, मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री रहीं। आज उस प्रदेश का स्थापना दिवस है। आज श्रमिक दिवस भी है। इस दिन को उनके जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन रखा गया। यह कितना सोच समझकर किया गया होगा। आनंदी बेन इतनी सरल नहीं हैं, जितनी दिखती हैं।

उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश है। सीएम योगी को युवा कहा जा सकता है। आज युवा की परिभाषा समझ नहीं आती है। यूपी आठ साल बेमिसाल के लायक है। यहां महाकुंभ सबसे बड़ा आयोजन हुआ। इसमें 60 करोड़ से ज्यादा लोगों का आना और सफलतम आयोजन होना, सदियों तक याद रहेगा। सीएम उत्तम प्रदेश के सारथी हैं। आपका भी आकलन आसान नहीं है। आठ साल में यूपी को बिना टैक्स के ही 12 लाख करोड़ से 30 लाख करोड़ तक ले गए। यह हर अर्थशास्त्री के लिए अचंभा है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे यहां है। आपके यहां छह शहरों में मेट्रो है।

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी

पत्रांकः 43/न0पं0जै0/रा0वि0आ0/ई-नि0सू0/2025-26 दिनांकः 01 मई 2025

ई-निविदा सूचना

सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वायत्त निकाय / पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में सक्षम श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाता से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदाओं की विस्तृत जानकारी www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है । निविदादाता शासनादेश सं0-तकश्सेल /07/ निदे0 / 2019 दिनांक 28 जून, 2019 के अनुपालन की सीमा में किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है। निविदादाता को प्रत्येक कार्य के सापेक्ष 10 प्रतिशत जमानत धनराशि नगर पंचायत के ई0ओ0 निविदा धरोहर धनराशि के खाता सं0-40011748977, भारतीय स्टेट बैंक, शाखा बड़ेल - बाराबंकी, आइ0एफ0एस0सी0 कोड - SBIN0015680 में एवं निविदा मूल्य नगर पंचायत जैदपुर के नगर निधि खाता सं0-0485000100001551, पंजाब नेशनल बैंक शाखा जैदपुर, बाराबंकी, आइ0एफ0एस0सी0 कोड - PUNB0048500 में अन्तरित करना होगा।

वेबसाईट पर निविदा अपलोड होने की तिथि	02 मई 2025
निविदा खरीदने की तिथि	03 मई 2025 से 23 मई, 2025 12:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	23 मई 2025 को अपराह्न 02:00 बजे

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी

अध्यक्ष
नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी

कक्षा एक से आठ तक स्कूल का समय बदला

भीषण गर्मीः बीएसए ने जारी किया आदेश

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। भीषण गर्मी और तेज धूप के चलते विद्यालयों के समय में बदलाव के लिए आदेश जारी किया गया है। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने आदेश जारी किया है। इसके तहत कक्षा एक से आठ तक का समय सुबह सात बजे से 11:30 बजे तक करने के लिए कहा गया है। ये आदेश बृहस्पतिवार एक मई से अगले आदेश तक प्रयागराज के सभी बोर्डों के विद्यालयों के लिए जारी किया गया है।

विद्यालयों में 15 मई से ग्रीष्मवकाश रहेगा। बीएसए के मुताबिक यह आदेश जनपद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र में संचालित सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य समस्त बोर्डों से मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के सभी विद्यालयों पर लागू होगा। इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

सूचना

मैंने अपना नाम शेखा मुहम्मॉद से शेख मुहम्मद जैसा कि आधार कार्ड में है, कर लिया है। शेख मुहम्मद पुत्रः अशफाक मोहम्मद, अब्दुल कलाम आजाद नगर बिल्हौर, कानपुर नगर- 209202